चेतक की वीरता

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि परिचय -- श्यामनारायण पाण्डेय और 'हल्दीघाटी'

» चेतक की अद्भुत गति -- हवा और आसमान जैसा घोड़ा

» चेतक की फुर्ती और समझ -- राणा का इशारा समझना

» चेतक का युद्ध-कौशल -- वज्र-मय बादल बनकर टूटना

» कविता की रचना -- तुकांत शैली और शब्द के भीतर शब्द

» समानार्थी शब्द -- हय, अश्व और घोड़ा

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. 'हल्दीघाटी' काव्यकृति का ऐतिहासिक महत्व क्या था?

› यह श्यामनारायण पाण्डेय की सबसे लोकप्रिय रचना थी, सन 1939 में प्रकाशित
› भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अंतिम वर्षों में इसका प्रभाव पड़ा
› इसने स्वतंत्रता सेनानियों में सांस्कृतिक एकता और उत्साह का संचार किया

उत्तर – 'हल्दीघाटी' काव्यकृति ने स्वतंत्रता संग्राम के अंतिम वर्षों में स्वतंत्रता सेनानियों में सांस्कृतिक एकता और नया उत्साह भरने का महत्वपूर्ण काम किया।

उदाहरण 2. 'वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था' पंक्ति का भावार्थ बताएं। (पाठ्यपुस्तक का प्रश्न)

› 'अरि-मस्तक' का अर्थ है शत्रु का सिर
› चेतक शत्रुओं के सिर के ऊपर से इतनी तेज़ी से दौड़ता था
› कि ऐसा लगता था मानो वह ज़मीन पर नहीं, आसमान में दौड़ रहा हो

उत्तर – इस पंक्ति का भावार्थ है कि हवा से भी तेज़ दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक के बीच कोई प्रतियोगिता हो रही हो -- वह ज़मीन पर नहीं, आसमान में दौड़ता प्रतीत हो रहा था।

उदाहरण 3. 'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था' पंक्ति चेतक की कौन-सी विशेषता दिखाती है?

› यह पंक्ति दिखाती है कि चेतक राणा के हल्के से इशारे को भी तुरंत समझ लेता था
› वह राणा की आँख पूरी तरह घूमने का इंतज़ार भी नहीं करता था
› इससे उसकी असाधारण फुर्ती और समझदारी का पता चलता है

उत्तर – यह पंक्ति चेतक की असाधारण फुर्ती और समझदारी दिखाती है -- वह राणा का इशारा पूरा होने से पहले ही समझकर मुड़ जाता था, मानो वह राणा के मन की बात जानता हो।

उदाहरण 4. चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था? (पाठ्यपुस्तक का प्रश्न)

› पाठ्यपुस्तक में दिए विकल्पों में से सही विकल्प खोजें
› कविता में सीधे लिखा है 'विकराल वज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया'
› इसका मतलब है वह भयानक बिजली भरे बादल की तरह शत्रु सेना पर टूट पड़ता था

उत्तर – चेतक शत्रुओं की सेना पर एक भयानक वज्रपात (बिजली) से भरे बादल की तरह टूट पड़ता था, जैसा कविता की पंक्ति 'विकराल वज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया' में बताया गया है।

उदाहरण 5. इस कविता से तुकांत शब्दों का एक जोड़ा चुनें, और 'गगन' शब्द के भीतर से दो छोटे शब्द खोजें।

› कविता में 'कोड़ा' और 'घोड़ा' शब्द तुक मिलाते हैं

› 'गगन' शब्द के अक्षरों को देखें: ग-ग-न

› इसके भीतर से 'गन' जैसा शब्द निकाला जा सकता है

उत्तर – तुकांत शब्द-जोड़ी: कोड़ा-घोड़ा। 'गगन' शब्द के भीतर 'गन' जैसा शब्द छिपा है।

उदाहरण 6. दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द समानार्थी नहीं है: हवा, अनल, पवन, बयार?

› 'हवा', 'पवन' और 'बयार' -- तीनों का अर्थ हवा ही है

› 'अनल' का अर्थ है आग, जो हवा से बिलकुल अलग है

› इसलिए 'अनल' इस समूह में समानार्थी नहीं है

उत्तर – 'अनल' समानार्थी नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ 'आग' है, जबकि बाकी तीनों शब्द (हवा, पवन, बयार) 'हवा' के लिए ही प्रयोग होते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कवि परिचय में जन्म-मृत्यु वर्ष, काव्यकृति का नाम और प्रकाशन वर्ष, और इसका ऐतिहासिक महत्व तीनों याद रखें।

• 'चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था' जैसे प्रश्न में सही विकल्प चुनते समय 'नदी के उफान' और 'बादल' जैसी उपमाओं में फ़र्क याद रखें -- अगले concept में यह स्पष्ट होगा।

• 'बाग' (लगाम) और 'पुतली' (आँख का हिस्सा) जैसे शब्दों के अर्थ स्पष्ट होने चाहिए, तभी इन पंक्तियों का सही भावार्थ समझ आएगा।

• बहुविकल्पी प्रश्न में सही विकल्प चुनते समय हमेशा कविता की सीधी पंक्ति से मिलान करें -- 'बादल' वाला विकल्प यहाँ सही उत्तर है, 'नदी' वाला विकल्प एक अलग पंक्ति से है।

• तुकांत शब्दों की सूची बनाते समय पूरी कविता को ध्यान से पढ़कर हर पंक्ति के आखिरी शब्द पर ध्यान दें, कोई भी छूटे नहीं।

• समानार्थी शब्द चुनने के प्रश्न में जल्दबाज़ी न करें -- हर शब्द का अर्थ मन में दोहराकर फिर तय करें कि वह समूह में फ़िट बैठता है या नहीं।

एक नज़र में रिवीज़न

› श्यामनारायण पाण्डेय (1907-1991) - वीर रस कवि; 'हल्दीघाटी' (1939) - स्वतंत्रता सेनानियों में उत्साह भरने वाली रचना।

› चेतक हवा से भी तेज़ था; आसमान में उड़ते घोड़े जैसा प्रतीत होता था (वीर रस की अतिश्योक्ति)।

› चेतक हल्के इशारे पर भी तुरंत तेज़ी पकड़ता; राणा की आँख पूरी घूमने से पहले ही मुड़ जाता था।

› चेतक शत्रु सेना पर वज्र-मय बादल जैसा टूटा; नदी जैसा लहराया; भाला-ढाल-तलवार के बीच निडर दौड़ा।

› तुकांत = पंक्ति-अंत में मिलते शब्द (कोड़ा-घोड़ा); शब्द के भीतर शब्द (आसमान में आस, समान, मान)।

› समानार्थी शब्द = एक अर्थ, कई नाम (हय-अश्व-घोड़ा); हर समूह में एक शब्द अलग अर्थ वाला भी हो सकता है, ध्यान से जाँचें।